भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4041
उत्तर देने की तारीख 18.08.2025

गंगासागर मेले को राष्ट्रीय मेले का दर्जा

4041. श्री बापी हलदर :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार पश्चिम बंगाल के लोगों और पश्चिम बंगाल राज्य सरकार की लंबे समय से चली आ रही मांग से अवगत है कि कुंभ मेले की तरह गंगासागर मेले को भी राष्ट्रीय मेले का दर्जा दिया जाए, क्योंकि यह राष्ट्रीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व के आयोजन के रूप में प्रतिवर्ष पूरे भारत से एक करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर क्या कार्रवाई की गई है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार गंगासागर मेले को केंद्रीय मान्यता प्राप्त धार्मिक आयोजनों की अपनी सूची में शामिल करने और क्षेत्र में तीर्थयात्रियों की सुविधाओं, परिवहन और आपदा प्रबंधन में सुधार के लिए वित्तीय और अवसंरचनात्मक सहायता प्रदान करने पर विचार करेगी; और

(ङ) क्या सरकार को इसके लिए पश्चिम बंगाल राज्य सरकार से कोई औपचारिक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी क्या स्थिति है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ड.): सरकार गंगासागर मेले के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व से अवगत है, जो पश्चिम बंगाल में वार्षिक रूप से आयोजित किया जाता है और जिसमें देश के विभिन्न भागों से बड़ी संख्या में तीर्थयात्री भाग लेते हैं। गंगासागर मेले का आयोजन पश्चिम बंगाल राज्य सरकार द्वारा किया जाता है जो तीर्थयात्रियों की सुविधाओं, परिवहन और आपदा प्रबंधन से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाएं करने के लिए उत्तरदायी है।

राज्य सरकारों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय और क्षेत्रीय महत्व के महोत्सवों और मेलों के संबंध में, संस्कृति मंत्रालय, अपने क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों (जेडसीसी) के माध्यम से संबंधित आयोजकों से अनुरोध प्राप्त होने पर ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए सांस्कृतिक मंडलियों की सहभागिता को सुविधाजनक बनाता है। यह उल्लेखनीय है कि संस्कृति मंत्रालय को किसी धार्मिक या सांस्कृतिक मेले को 'राष्ट्रीय मेले' का दर्जा प्रदान करने का अधिदेश प्राप्त नहीं है।

****